R. C. B. S. E.
FIRST PRE-BOARD EXAMINATION 2018-19

SET A

STD. : X
SUB. : HINDI

MARKS: 50
TIME: HRS.

निर्देश: -

१) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, घ।
२) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
३) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड क

प्र१. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भारतीय धर्मनीति के प्रणेता नैतिक तूल्यों के प्रति अधिक जागरुक थे। उनकी यह धारणा थी कि नैतिक मूल्यों का दृढ़ता से पालन किए बिना किसी भी समाज की आर्थिक व सामाजिक प्रगति की नीतियाँ प्रभावी नहीं हो सकती। उन्होंने उच्चकोटि की जीवन - प्रणाली के निर्माण के लिए वेद की एक ऋचा के आधार पर कहा कि उत्कृष्ट जीवन - प्रणाली मनुष्य की विवेक बुद्धि से तभी निर्मित होनी संभव है; जब सब लोगों के संकल्प निश्चय अभिप्राय समान हो, सबके हृदय में समानता की भव्य भावना जागृत हो और सब लोग पारस्परिक सहयोग से मनोनुकूल सभी कार्य करें। चरित्र - निर्माण की जो दिशा नीतिकारों ने निर्धारित की, वह आज भी अपने मूल रूप में मानव के लिए कल्याणकारी है। प्राय: यह देखा जाता है कि चरित्र और नैतिक मूल्यों की उपेक्षा वाणी, बाहु और उदर को संयत न रखने के कारण होती है। जो व्यक्ति इन तीनों पर नियंत्रण रखने में सफल हो जाता है, उसका चरित्र ऊँचा होता है। सभ्यता का विकास आदर्श चरित्र से ही संभव है। जिस समाज में चरित्रवान व्यक्तियों का बाहुल्य है, वह समाज सभ्य होता है और वही उन्नत कहां पाता है।

चरित्र मानव समुदाय की अमूल्य निधि है। इसके अभाव में व्यक्ति पशुवत व्यवहार करने लगता है। आहार निद्रा, भय आदि की वृत्ति सभी जीवों में विद्यमान रहती है, यह आचार चरित्र की ही विशेषता है जो मनुष्य को पशु से अलग कर उससे ऊँचा उठा मनुष्यत्व प्रदान करती है। सामाजिक अनुशासन बनाए रखने के लिए भी चरित्र - निर्माण की आवश्यकता है। समाजिक अनुशासन की भावना व्यक्ति में तभी जागृत होती है जब वह मानव प्राणियों में ही नहीं, वरन सभी जीवधारियों में अपनी आत्मा का दर्शन करता है।

Scanned by CamScanner

प्रश्नः-

१) चरित्र मानव जीवन की अमूल्य निधि कैसे है? स्पष्ट कीजिए

२) सामाजिक अनुशासन से क्या तात्पर्य है? तथा यह भावना व्यक्ति में कब जागृत होती है?

३) विवेक - बुद्धि का क्या आशय है? यह कब निर्मित हो सकती है?

४) हमारे धर्म नीतिकार नैंतिक मूल्यों के प्रति कब विशेष जागरूक थे?

प्र२. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

आज ठंडक अधिक है, बाहर ओले पड़ चुके हैं
कुछ दिन पहले पाला पड़ा था, अरहर कुल की कुल मर चुकी थी ।
हवा पहाड़ तक बेध जाती है, गेहूँ के पौध ऐंठे खड़े है
खेतिहारों में जान नहीं मन मारे बैठे अलाव ताप रहे हैं ।
जमींदार का सिपाही लट्ठ कंधे पर रखे, आया और लोगों को
देखकर कहा.

''डेरे पर थानेदार आए हैं डिप्टी साहब ने चंदा लगाया हैं
एक हफ्ते के अंदर देना है चलो, बात दे आओ''
अलाव से कुछ हटकर, लोगों के साथ कुत्ता खेतिहर का बैठा था ।
चलते सिपाही को देखकर उठ खडा हुआ और भौंकने लगा ।
करूणा से बंधु-खेतिहर को देखदेखकर क्योंकि वह तो चुप है ।

प्रश्नः-

१) उपर्युक्त काव्यांश में किस सामाजिक विपदा का वर्णन हुआ है?

२) 'खेतिहर के कुत्ते के भौंकने को लेकर कवि क्या स्पष्ट करना चाह रहे हैं? (२)

३) 'हवा पहाड़ तक बेध जाती है'' इसका आशय स्पष्ट कीजिए । (२)

खंड ख (२)

प्र३.क. शब्द और पद में अंतर स्पष्ट कीजिए उदाहरण सहित । (२)

प्र४. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : (३)

१) मैं पुस्तकालय जाकर विज्ञान की किताबें पढ़ता हूँ । (मिश्रवाक्य)

Scanned by CamScanner

२) सुषमा बीमार होने के कारण आज स्कूल नहीं गई। (संयुक्त वाक्य)

३) मुझे लोगों द्वारा बस अड्डा जलाया जाना याद है। (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखो)

प्र५.क. समस्तपद का विग्रह कर भेद लिखो -

कष्टसाध्य , कुबुद्धि **(२)**

प्र६. वाक्य शुद्ध कीजिए। **(३)**

१) गोपाल जानता है कि शायद उसका मित्र बीमार है।

२) आम डाल पर पकने की आशा है।

३) आज लगभग कोई एक दर्जन छात्र नहीं आए हैं।

प्र७. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए। **(२)**

१) भारत शांतिप्रिय देश है, पर वह शत्रु की गाठ बाधना भी जानता है।

२) ईश्वर जब देने पर आता है तो ——— देता है।

खंड ग

प्र८. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

१) आपके विचार में कौन-से ऐसे मूल्य हैं जो शाश्वत है? वर्तमान में इन मूल्यों की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए। **(२)**

२) रूढ़ियों जब बंधन बन बोझ बनने लगे तब उनका टूट जाना ही अच्छा है क्यों? स्पष्ट कीजिए। **(२)**

३) वाजीर अली को एक जाँबाज सिपाही क्यों कहा गया है? **(२)**

प्र९. 'डायरी का एक पन्ना' पाठ का उद्देश्य बताइए। **(३)**

प्र१०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

१) 'आत्मत्राण' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। **(२)**

Scanned by CamScanner

२) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता से मानवीकरण अलंकार के प्रयोग किस प्रकार किया गया स्पष्ट कीजिए ।

३) कंपनी बाग में रखी तोप हमें क्या सीख देती है ।

प्र११. 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई । (२)

खंड घ

प्र१२. दसवीं कक्षा के पश्चात अपनी भावी योजना से संबंध में पिता से विचार विमर्श करते हुए पिता व पुत्र के बीच एक संवाद - लेखन कीजिए । (४)

अथवा

आप केरला बाढ़ पिड़ित की सहायता हेतु धन एकत्र करने के लिए हस्तनिर्मित अपने चित्रों की प्रदर्शनी हेतु एक विज्ञापन लिखिए ।

प्र१३. दिए गए संकेत बिन्दुओं पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ८० - १०० शब्दों में अनुच्छेद लेखन कीजिए । (४)

१) शारीरिक शिक्षा और योग

- शारीरिक शिक्षा क्या और क्यों?
- शारीरिक शिक्षा और योग
- प्रभाव और अच्छे परिणाम

२) जो समय को नष्ट करता है, समय उसको नष्ट करता है ।

- समय मूल्यवान
- समय अर्थात जीवन
- समय सदुपयोग आवश्यक
- समय नष्ट करने से पछतावा, निराशा

अथवा

- आपके विद्यालय में रक्तदान शिबिर का आयोजन किया जा रहा है, प्रधानाचार्या की ओर से इसी से संबंधित सूचना विद्यालय के सूचनापट्ट के लिए २० - ३० शब्दों में लिखिए ।

****

Scanned by CamScanner